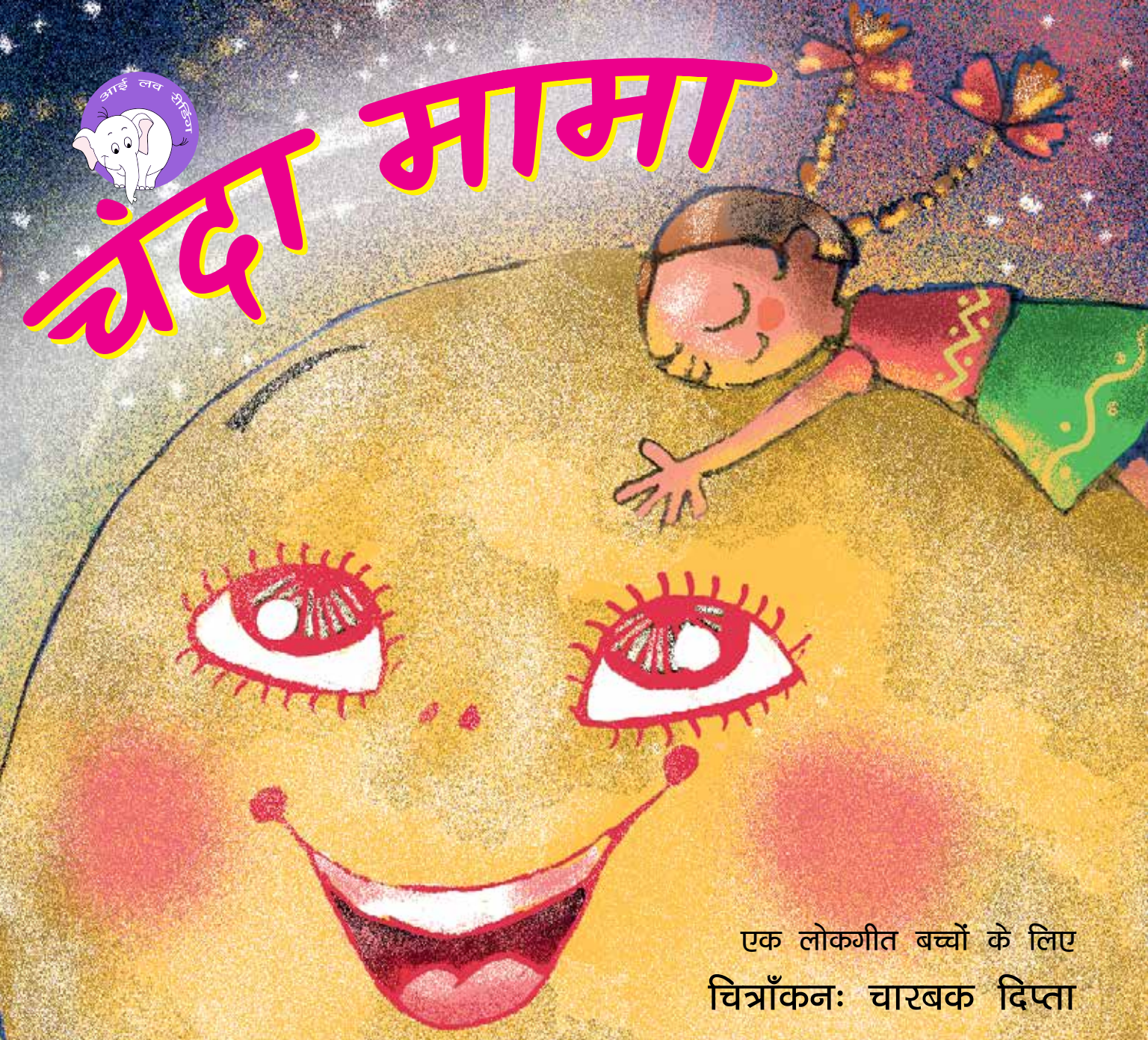




चंद्रा मामा



एक लोकगीत बच्चों के लिए
चित्राँकन: चारबक दिप्ता



कथा की 300एम थिंकबुक



चंद्रा मामा गोल मटोल,
कुछ तो बोल कुछ तो बोल,

कुछ तो बोल कुछ तो बोल,





केल थे आधे आज हो गोल,

खोल भी दे अब अपनी पोल,

रात होते ही तुम आ जाते,




संग संग सितारे लाते,



आँ दिन में कहाँ छिप जाते हो,

कुछ तो बोल कुछ तो बोल।





चाँद बहुत - बहुत दूर है।
अगर तुम आज चाँद की ओर चलना शुरू
करो, और बिना रुके रोज चलते रहो,
और रोज 20 किलोमीटर चलो,
तो चाँद तक पहुँचते - पहुँचते
तुम अपनी दादी माँ की उम्र के बराबर हो
जाओगे।

इसलिए चाँद के रहस्य खोजने के लिए
रॉकेट में जाते हैं।
अगर, तुम बहुत मेहनत से पढ़ोगे,
तो शायद तुम चाँद के नए रहस्य खोज सकोगे!

तुम वैज्ञानिक, कवि या पेंटर बन सकते हो।

तुम जो बनना चाहो, बन सकते हो।

पर तुम हमेशा आसमान में चाँद को देख सकते हो।

और कह सकते हो, "चंदा मामा, मुझे तुम बहुत अच्छे लगते हो!"

कितना अच्छा लगता है यह सोच कर, की चाँद मेरे और तुम्हारे लिए हमेशा रहेगा!





पढ़ने से पहले

सोचो

क्या तुम सूरज और चाँद को रोज देखते हो ?

और बादलों और सितारों को ?

क्या उनके बारे में आश्चर्य से सोचा है ?



पूछो! बात करो!

कल्पना चावला अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय महिला थीं।

जब वे छोटी थीं तो उन्हें हवाई जहाजों के चित्र बनाना अच्छा लगता था।

क्या तुम कभी अंतरिक्ष में या चाँद पर जाना चाहोगे ?

अब करो

हमसे पहले आये लोगों ने हमें पृथ्वी भेंट की है।

उन्होंने इसका ख्याल रखा। ताकि हम खुशी से जियें।

अब प्रकृति को यह बताने की जिम्मेदारी तुम्हारी है कि,

तुम उसका ख्याल रखोगे और उससे प्रेम करोगे।

तुम इसके लिए क्या - क्या कर सकते हो ?

तमाशा कहती है,

अपने स्कूल में टीचर या प्रिंसिपल से स्कूल में और पेड़ लगाने के बारे में पूछो।

अगर तुम्हें अनुमति मिल जाये, तो छोटे से बड़े होने तक उस पेड़ का ध्यान रखो।

मुझे चिट्ठी लिखो—मेल करो! बताओ तुमने और तुम्हारे दोस्तों ने क्या किया?

अपना इ-मेल tanasha@katha-org पर भेजो। या फिर, अपनी चिट्ठी इस पते पर भेजो -

तमाशा, ङ्क कथा, ए 3, सर्वोदय एन्क्लेव, नयी दिल्ली - 110017

तुम्हारी पक्की दोस्त।



गीता धर्मराजन तमिलनाडु के तंजावुर जिले की रहने वाली हैं। बच्चों के लिए एक लेखिका, उन्होंने 1988 में कथा शुरू की। उन्हें साहित्य और शिक्षा में उनके काम के लिए पद्म श्री सहित कई पुरस्कार मिले हैं। चारबक दीप्ता ऑक्सफोर्ड के पूर्व छात्र और पुरस्कार विजेता चित्रकार, खाने के शौकीन और ग्लोबट्रॉटर हैं।

कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर-लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

“भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!”

— नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ

“कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।”

— पेपरटाइगर्स

“कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।”

— टाइम आउट

“कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।”

— चार्ल्स लैंग्री, द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग

गीता धर्मराजन और टीम कथा द्वारा बच्चों के लिए अनुवादित इस लोक गीत का अंग्रेजी में अनुवाद



पहला हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2021

लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन

चित्रांकन कृति स्वामित्व © कथा

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए-3 सर्वोदय एन्चलेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली - 110017

दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998

ई-मेल: marketing@katha-org

वेबसाइट: www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।

कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।



यह पुस्तकें कथा ने बहुत ध्यान और स्नेह के साथ बनायीं हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए हैं।

यह हमारे 'UntextBook Initiative' का हिस्सा हैं। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएँ।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

अपने बच्चों के साथ इन्हें पढ़ें। उनकी कल्पना को नयी उड़ान दें।

हमारे साथ '300 Million Citizens' Challenge' का हिस्सा बनिए। एक ऐसी दुनिया के निर्माण के लिए जहाँ बच्चे आनंद से पढ़ें और समझें। हमसे जुड़ें: 300m@katha-org स्वयंसेवा के लिए: volunteer@katha-org पर हमें लिखें

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग-अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है। यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर-लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



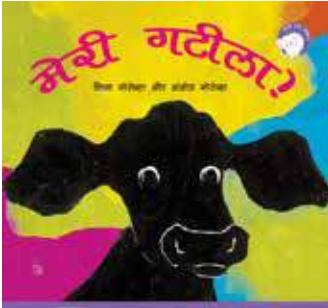
₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



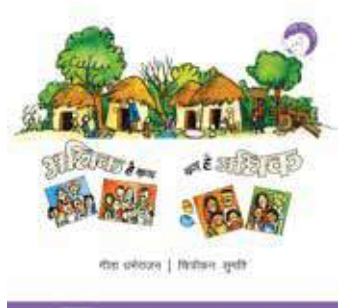
₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



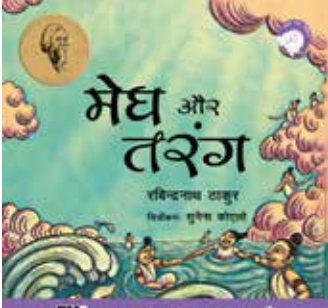
₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



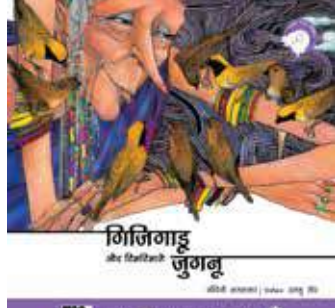
₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



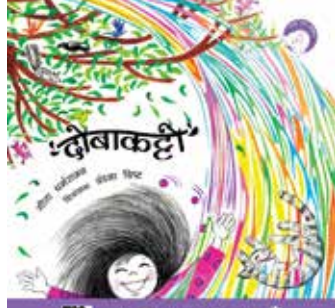
₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की



₹ 99 काशी 30000 विद्युत की

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"India's multicultural identity through the stories."
— The Pioneer

a katha book for children

ISBN-978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx